आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 08.12.2025 समय : 0705

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत के लिए विरासत ज्ञान और समुदाय की निरंतर धारा का प्रतीक रही है।**
- **राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की एक सौ पचासवीं वर्षगांठ पर आज लोकसभा में विशेष चर्चा शुरू होगी।**
- **सांसद बिष्णु पद रे ने केंद्रीय नागर विमानन मंत्री से मुलाकात कर विमान संबंधी मुद्दों की ओर ध्यान आकर्शित करते हुए उनके शीघ्र समाधान का आग्रह किया।**
- **पर्यटन विभाग की ओर से सिप्पीघाट आर्द्रभूमि में पक्षी अवलोकन यात्रा का आयोजन किया गया ।**

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत के लिए विरासत कभी भी पुरातन के प्रति मोह नहीं रहा है बल्कि यह ज्ञान और समुदाय की निरंतर धारा का प्रतीक रही है। श्री मोदी ने यह बात नई दिल्ली में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए यूनेस्को की अंतर सरकारी समिति के बीसवें सत्र के उद्घाटन समारोह में अपने संदेश में कही। उन्होंने कहा कि भारत का 'विकास भी, विरासत भी' का नारा यह सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता है कि आधुनिकीकरण और शहरीकरण सांस्कृतिक जड़ों को मिटाने के बजाय संस्कृति को मज़बूत करे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई भी परंपरा, कोई भी कलाकार और कोई भी समुदाय अनदेखा या बिना समर्थन के न रहे। श्री मोदी ने कहा कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर–सरकारी समिति के बीसवें सत्र की मेज़बानी करना भारत के लिए बहुत गर्व का क्षण है उन्होंने कहा कि यह सत्र प्राचीन विरासत और आधुनिक आकांक्षाओं के बीच एक सेतु का काम करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सभ्यता की यात्रा इस समझ से बनी है कि संस्कृति सिर्फ़ स्मारकों या पांडुलिपियों से समृद्ध नहीं होती, बल्कि यह लोगों की रोज़मर्रा की अभिव्यक्तियों जैसे त्योहारों, रीति–रिवाजों, कलाओं और शिल्प कौशल में फलती–फूलती है। उन्होंने कहा कि अमूर्त विरासत समाजों की नैतिक और भावनात्मक यादों को सहेजती है, पहचान बनाती है, सद्भाव को बढ़ावा देती है, अपनेपन की भावना को मज़बूत करती है और पारंपरिक ज्ञान को आगे बढ़ाती है जो किताबों में नहीं मिल सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि यूनेस्को ने अमूर्त विरासत की सुरक्षा के लिए एक साझा वैश्विक ढांचा बनाने में मुख्य भूमिका निभाई है। भारत को गर्व है कि उसकी कई धरोहर यूनेस्को की सूची में शामिल हैं। श्री मोदी ने कहा कि यूनेस्को दो हजार तीन कन्वेंशन ने वैश्विक ज़िम्मेदारी की भावना पैदा की और समिति के काम ने उन समुदायों को पहचान और सम्मान दिया जिनकी परंपराएं मानव रचनात्मकता की रीढ़ थीं।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की एक सौ पचासवीं वर्षगांठ पर आज लोकसभा में विशेष चर्चा शुरू होगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा में इस चर्चा की शुरुआत करेंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पूरे दिन की चर्चा दोपहर बारह बजे शुरू होगी। उन्होंने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आठ दिसंबर को वंदे मातरम पर चर्चा और नौ दिसंबर को चुनाव सुधारों पर बहस होगी।

<><><><><><><>

नागर विमानन महानिदेशालय–डी जी सी ए ने कल इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स और अकाउंटेबल मैनेजर इसिड्रो पोरक्वेरस को उडानों में रुकावटों पर स्पष्टीकरण मांगने वाले कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए और समय दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों को अपना जवाब देने के लिए आज शाम छः बजे तक का समय दिया गया है। लगातार छह दिनों से इंडिगो की सेवाओं में काफी रुकावट आई है जिससे बड़े पैमाने पर उड़ाने रद्द हुईं या उनमें देर हुई और हजारों यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इसी को देखते हुए डी जी सी ए ने कारण बताओ नोटिस जारी किए थे। शनिवार को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस में डी जी सी ए ने एल्बर्स और पोरक्वेरस से रविवार शाम तक अपना जवाब देने को कहा था। दोनों के अनुरोध के बाद जवाब देने की समय सीमा बढ़ायी गई है। डी जी सी ए लगातार स्थिति पर बारीकी से नज़र बनाये हुए है।

<><><><><><><>

द्वीपों के सांसद बिष्णु पद रे ने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू जी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान, सांसद ने केन्द्रीय मंत्री को पहले प्रस्तुत किए गए तीन लंबित मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए उनके शीघ्र समाधान का आग्रह किया। सांसद ने श्री विजयपुरम और

मदुरै के बीच सीधी उड़ान शुरू करने, श्री विजयपुरम और कोलकाता, चेन्नई, विशाखापत्तनम, बेंगलुरु, भुवनेश्वर और दिल्ली के बीच अधिक उच्च हवाई किराए का विनियमन, गंभीर मरीजों को मुख्य भूमि के प्रमुख अस्पतालों में आपातकालीन चिकित्सा के लिए एयर स्ट्रेचर या एयर एम्बुलेंस सुविधा प्रदान करने का मुद्दा उठाया था। सांसद ने मंत्री से द्वीपों की भौगोलिक परिस्थितियों और लोगों को हो रही परेशानियों को देखते हुए, इन मुद्दों का जल्द से जल्द समाधान करने का अनुरोध किया। केन्द्रीय मंत्री ने सांसद द्वारा उठाए गए मुद्दों के समाधान का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान सांसद ने नागर विमानन मंत्री को औपचारिक रूप से द्वीप समूह का दौरा करने के लिए भी आमंत्रित किया।

<><><><><><><>

राज्य सैनिक बोर्ड के सदस्यों ने सचिव, कर्नल डी एस गोदारा के साथ, सशस्त्र सेना झंडा दिवस को चिह्नित करने के लिए एक ध्वज पिन्न समारोह के अवसर पर कल लोक निवास में उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी के साथ मुलाकात की। अंडमान निकोबार प्रशासन की ओर से, उपराज्यपाल ने बोर्ड को योगदान के रूप में बीस हजार रूपये का चेक भेंट किया।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार राज्य कर्मचारी महासंघ की ओर से भारतीय मजदूर संघ के सहयोग से चिन्मय मिशन में आयोजित तीन दिवसीय कार्यकर्ता विकास वर्ग का कल समापन हो गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव कुमार सोनी, राष्ट्रीय महामंत्री राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव और राष्ट्रीय सचिव शिव नारायण शर्मा भी उपस्थित थे। दक्षिण अंडमान जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश अधिकारी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर चिन्मय मिशन के स्वामी शुद्धानंद सरस्वती ने अपने विचार साझा किए। महासंघ के महासचिव एस. बीजू पिल्लई ने राज्य कर्मचारी महासंघ के संविधान और गतिविधियों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री, गणेश मिश्रा के मार्गदर्शन में संचालित किया गया।

<><><><><><><>

पर्यटन विभाग ने पर्यावरण एवं वन विभाग के सहयोग से द्वीप समूह में पक्षी पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय जैव विविधता के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से, सिप्पीघाट आर्द्रभूमि में पक्षी अवलोकन यात्रा का आयोजन किया। पक्षी अवलोकन यात्रा तनाव कम करने और व्यायाम के माध्यम से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और इसकी जैव विविधता के साथ जुड़ाव भी स्थापित करती है। इस अवसर पर अंडमान एवियंस क्लब के बर्ड गाइड अरुण सिंह ने प्रतिभागियों को आर्द्रभूमि और पक्षी प्रजातियों के बारे में जानकारी दी। वन रक्षक राम विकास ने स्पॉटिंग स्कोप और दूरबीन का उपयोग करके प्रतिभागियों को पक्षियों की पहचान करने में सहायता की। वन विभाग के वन्यजीव प्रभाग ने इस कार्यक्रम के लिए पक्षी अवलोकन उपकरण उपलब्ध कराए।

<><><><><><><>

तिलोंगचोंग द्वीप के एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना मसौदा की तैयारी के लिए जन–सुनवाई आज सुबह ग्यारह बजे आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम ननकौड़ी के सहायक आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में रखा गया है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार मुक्केबाजी संघ की ओर से सीनियर, जूनियर और सब–जूनियर श्रेणियों के लिए बीस और इक्कीस दिसम्बर को मुक्केबाजी राज्य चैंपियनशिप–सह–चयन ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवार गूगल फॉर्म के माध्यम से अट्ठारह दिसम्बर शाम पांच बजे तक पंजीकरण कर सकते हैं।

<><><><><><><>